आर.एन.आई. नं. RAJBIL/2010/52404

सेवा सौभाग्य

परम पू. कैलाश जी 'मानव' ● मूल्य » 5 ● वर्ष-12 ● अंक » 139 ● मुद्रण तारीख » 1 जुलाई-2023 ● कुल पृष्ठ » 28

दिव्यांगजन के लिए कुछ करने से मिलता है सुकून

मुख्यमंत्री श्री अशोक जी गहलोत

जो चल न पाएं - उनको चलाएं
सेवा का एक पौधा आप ऊगाएं

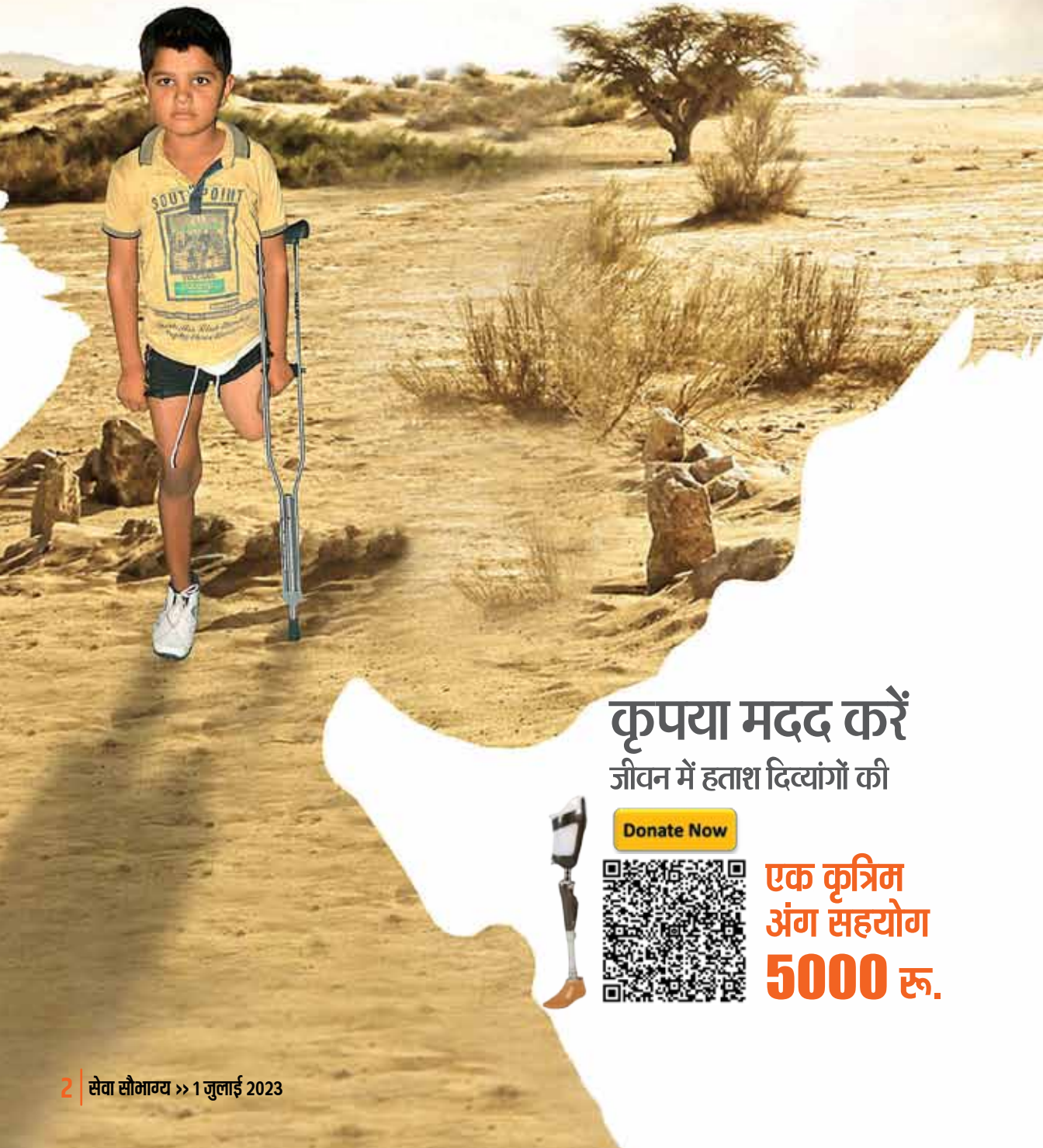

कृपया मदद करें

जीवन में हताश दिव्यांगों की

Donate Now

एक कृत्रिम
अंग सहयोग
5000 रू.

» 1 जुलाई, 2023 » वर्ष 12 » अंक 139 » मूल्य 05 » कुल पृष्ठ 28

सेवा सौभाग्य

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Our Religion is Humanity

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

मुख्यालय : हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.)-313002, फोन नं. : +91-294-6622222, वाट्सऐप : +91-7023509999
Web » www.narayanseva.org E-mail » info@narayanseva.org

पाठकों के लिए इस माह

07

09

10

12

12

संपादक मंडल

मार्ग दर्शक » **कैलाश चन्द्र अग्रवाल** » सम्पादक **प्रशान्त अग्रवाल** » सहयोग **विष्णु शर्मा हितैषी, भगवान प्रसाद गौड़** » डिजाइनर **विरेन्द्र सिंह राठौड़**

Seva Soubhagya Print Date 1 July, 2023 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 28 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-

पीड़ित की सेवा ही पूजा

सेवा के मूल में विद्यमान है, परदुःख-कातरता अर्थात् दूसरे के दुःख से द्रवित हो जाना। दूसरे का दुःख जब अपना प्रतीत होने लगता है तो उसे दूर करने के लिए व्यक्ति सचेष्ट हुए बिना नहीं रह सकता।

मैं भगवान से आठों सिद्धियों से युक्त परम गति नहीं चाहता, मोक्ष की कामना भी नहीं करता। मैं यदि कुछ चाहता हूं तो केवल यही कि मैं सम्पूर्ण प्राणियों के हृदय में रहूं और उनका जो भी दुःख है, उसे सहन करता जांऊ। जिससे किसी को भी दुःख का अहसास न हो। यह दीन प्राणी जल पीकर जीना चाहता था। जल के देने से इसके जीवन की रक्षा हो गयी। अब मेरी भूख-प्यास की पीड़ा, शारीरिक कमजोरी, दीनता, ग्लानि, शोक, विषाद और मोह-ये सब के सब जाते रहे। मैं सुखी हो गया।' यह शब्द राजा रंतिदेव के मुख से तब निकले थे - जब भगवान ने उनकी अतिथि सेवा की परीक्षा के दौरान उन्हें राजपाट से ही च्युत नहीं किया था अपितु उन्हें अपनी भूख-प्यास लिए मृत्यु की स्थिति तक भी जाना पड़ा। वे एक स्थान पर बैठे थे प्रचंड गर्मी थी। पात्र में थोड़ा सा जल था। तभी प्यास से तड़पता एक व्यक्ति उनके समीप आया और जल मांगा। रंतिदेव उसकी दशा देख करूणा भाव से भर उठे और उसे सहारा देकर पेड़ की छाया में बिठाया। प्यास बुझाने के लिए पात्र में भरा जल प्रेमपूर्वक उसे पिलाया। कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कुछ देर बाद वह व्यक्ति वहां से लौट गया।

बंधुओं! तभी त्रिदेव (ब्रम्हा-विष्णु-महेश) राजा रंतिदेव के समक्ष प्रकट होकर उनकी सेवा के प्रति नतमस्तक हो गए। उन्होंने रंतिदेव को पुनः धन-धान्य से परिपूर्ण कर उनका खोया राजपाट भी लौटा दिया। जब तक उनका इस पृथ्वी पर शरीर रहा, दुखियों-पीड़ितों की सेवा का क्रम ईश्वर की पूजा मानकर अनवरत चलता रहा। मनुष्य की स्वाभाविक वृत्ति है, सेवा। लेकिन मनुष्य इस वृत्ति के प्रगटीकरण पर ध्यान नहीं देता। जबकि उसके जन्म-जीवन को यही वृत्ति सार्थक करने वाली है। सेवाव्रतधारी परमार्थ की वेदी पर अपना बलिदान भी देता है। धन-सम्पति, शारीरिक-सुख और मान, बड़ाई, प्रतिष्ठा न चाहते हुए, आसक्ति व अंहकार से रहित होकर मन, वाणी, शरीर और धन के द्वारा सम्पूर्ण प्राणियों के हित में रत होकर उन्हें सुख पहुंचाने की चेष्टा ही प्रभु की सेवा-साधना है। संकुचित स्वार्थ छोड़ने, गरीबी से एकाकार होने, पीड़ित के जख्म पर मरहम लगाने और उनके आंसू पोंछने का स्वभाव ही सेवा है। सेवा के मूल में विद्यमान है, परदुःख-कातरता। दूसरे का दुःख जब अपना प्रतीत होने लगता है तो उसे दूर करने के लिए व्यक्ति सचेष्ट हुए बिना नहीं रह सकता। संस्थान जो भी सेवा प्रकल्प संचालित कर पा रहा है, उसकी प्रेरणा ऐसे ही सज्जन बंधु-बहिनें हैंः जिनका व्यक्तित्व समाज सेवा कार्यो के माध्यम से ही नित खिलता-निखरता रहा है। इन महानुभावों के समृद्धि और दीर्घायु की परमपिता से कामना करता हूं।

'सेवक' प्रशान्त भैया अध्यक्ष

फूटेगा सुख का झरना

कौन नहीं जानता कि सुदामा जी की दीन-हीन दशा देखकर भगवान श्रीकृष्ण किस प्रकार द्रवित हो उठे थे। यदि वैसी ही संवेदना आज का मनुष्य भी अपने में जगा ले तो प्रभु कृपा में संदेह कैसा ?

भगवान ने प्रत्येक जीव को एक लक्ष्य के साथ जगत में भेजा है। मनुष्य इन सबमें बुद्धिमान और विवेकशील है। उसे जीवन के सभी उत्तरदायित्व पूर्ण क्षमता और सर्वोत्तम तरीके से पूरे करने हैं। मनुष्य जैसे अपनी व परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अपनी सम्पूर्ण सामर्थ्य लगा कर सुखी होना चाहता है। उसी तरह यदि वह किसी दुःखी को भी अपने ही परिवार का सदस्य मानकर उसकी सेवा-सहायता करे तो उससे आत्मिक सुख की अनुभूति होगी। जिस प्रभु ने उसे देव दुर्लभ जीवन दिया है, वे भी उससे प्रसन्न होकर उसके हर कार्य में सहायक बनेंगे।

अपने समान दूसरों के सुख-दुःख को समझने से आत्मीयता और भाईचारा बढ़ता है। यही 'वसुधैव कुटुम्बकम्' अर्थात् विश्व बंधुत्व का आधार है। भारतीय संस्कृति में तो प्रकृति के प्रत्येक अवयव से प्रेम ही नहीं बल्कि उनकी पूजा का प्रावधान भी है। प्रकृति से जितना प्रेम बढ़ाएंगे, उतना ही वह दोनों हाथों से सुख देगी। इसी तरह जब हम दूसरों के सुख की कामना करेंगे, उनके दुःख में सहभागी बन मदद करेंगे तो हमारे भीतर भी सुख का झरना स्वतः फूट पड़ेगा। कौन नहीं जानता कि सुदामा जी की दीन-हीन दशा देखकर भगवान श्रीकृष्ण किस प्रकार द्रवित हो उठे थे। अपने मित्र के पैर पखारने के लिए उनकी आंखों से प्रेमाश्रु की धाराएं बह निकली थीं। यदि वैसी ही संवेदना आज का मनुष्य भी अपने में जगा ले तो प्रभु कृपा में संदेह कैसा ?

अमेरिका के सुप्रसिद्ध विचारक बेंजामिन फ्रैंकलिन एक समाचार पत्र निकालते थे। एक समय वे गहरे आर्थिक संकट में पड़ गए। उन्हें अपने एक पुराने मित्र की याद आई। वे उनसे मदद लेने पहुंचे। मित्र उनसे मिलकर बहुत प्रसन्न हुए और बतौर मदद उन्हें बीस डॉलर दिए। एक अरसे बाद जब फ्रैंकलिन की आर्थिक स्थिति ठीक हुई तो वे मित्र का ऋण चुकाने उनके पास पहुंचे। मित्र ने यह कहते हुए रकम लेने से इन्कार कर दिया कि- 'वह तो मैने बतौर मदद दी थी, इसे वापिस कैसे ले सकता हूं ? इस पर फ्रैंकलिन बोले- आप ठीक कह रहे हैं, मदद के लिए आपका बहुत धन्यवाद, लेकिन जब मैं रकम लौटाने की स्थिति में हूं तो आपका ऋणी क्यों बनूं? दोनों अपने-अपने तर्क देते रहे। अंत में यह तय हुआ कि फ्रैंकलिन उन बीस डॉलर को अपने ही पास रखेंगे और किसी जरूरतमंद को मदद के तौर पर देंगे, लेकिन शर्त यह होगी कि स्थिति ठीक होने पर उसे वह रकम किसी अन्य जरूरतमंद को देनी होगी। कहते हैं कि अमेरिका में यह बीस डॉलर आज भी किसी जरूरतमंद के पास घूम रहे हैं, किसी दूसरे जरूरतमंद के लिए। अभिप्राय यह है कि दूसरों की मदद करने से सुखानुभूति तो होगी ही।

पूज्य कैलाश जी 'मानव' संस्थापक चेयरमैन

तमसो मा ज्योतिर्गमय

भारतीय संस्कृति का एक सूत्र वाक्य है - 'तमसो मा ज्योतिर्गमय।' अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने की इस प्रक्रिया में सद्गुरू का बहुत बड़ा योगदान होता है। संसार में भटकने वाले मनुष्य को तारने के लिए गुरू के समान तीर्थ दूसरा कोई नहीं है।

गुरू व्यक्ति की श्रद्धा और निष्ठा को परिपक्व करता है। सद्गुरू अपने शिष्यों के भ्रम को दूर करते हुए मिथ्यावाद को नष्ट करते हैं। गुरू-शिष्य का समन्वय उस सेतु के समान है जो एक श्रेष्ठ और आदर्श समाज का मार्ग प्रशस्त करता है। स्वामी विवेकानंद जी ने बचपन में जब परमात्मा को पाने-जानने की चाह की तो, उनकी ये इच्छा तभी पूरी हो सकी, जब उन्हें गुरू रामकृष्ण परमहंस जी का आशीर्वाद मिला। उनकी कृपा से ही नरेन्द्र आत्म-साक्षात्कार कर विवेकानंद बन सके। भारतीय इतिहास में आचार्य विष्णुगुप्त (चाणक्य) का नाम स्वर्णाक्षरों से अंकित है, जिन्होंने अपनी विद्वता और क्षमता के बल पर चन्द्रगुप्त मौर्य को सिंहासनरूढ़ कर एक आततायी शासन को उखाड़ फेंका। गुरू हमारे अन्तर्मन को आहत किए बिना हमें सभ्य जीवन जीने की कला से परिचित करवाते हैं।

गुरू की महिमा को शब्दों में नहीं समेटा जा सकता। गुरू ही वह व्यक्ति है जो अपने शिष्यों के अन्तःकरण में ज्ञान-विवेक रूपी चन्द्र की किरणें बिखेर सकता है। भारतीय संस्कृति का सूत्र वाक्य है-'तमसो मा ज्योतिर्गमय।' अंधेरे से उजाले की ओर जाने की इस प्रक्रिया में सद्गुरू का बहुत बड़ा योगदान होता है। गुरू का स्तर भगवान के समान ही माना गया है। क्योंकि गुरू व्यक्ति और सर्वशक्तिमान के बीच एक कड़ी का काम करता है। हमारे देश में प्रति वर्ष ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा को गुरू पूर्णिमा अथवा व्यास पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन महाभारत एवं वेद रचयिता महर्षि वेदव्यास का जन्म हुआ था। आइये, इस पुनीत-पावन दिन हम भी अपने-अपने सद्गुरू भगवंत के श्रीचरणों में नतमस्तक होकर अंधकार से प्रकाश की ओर गतिमान होने का आशीर्वाद प्राप्त करें।

नारायण सेवा संस्थान में इस दिन अपने सद्गुरू पूज्य श्री कैलाश जी 'मानव' व गुरूमाता कमला जी का साधक वृंद पूर्ण श्रद्धा व निष्ठा से वंदन-अभिनंदन करेगा। आपश्री भी 'सेवा-पुरोधा' के इस अभूतपूर्व अभिनंदन समारोह में सादर आमत्रिंत हैं।

शिव और सावन

सावन में किसी भी दिन घर में पारद शिवलिंग की स्थापना करें और उसका यथा विधि पूजन करें। इसके 108 बार ऐं ह्रीं श्रीं ॐ नमः शिवायः श्रीं ह्रीं ऐं मंत्र का जप करें। प्रत्येक मंत्र के साथ बिल्व पत्र शिवलिंग पर चढ़ाएं, बिल्वपत्र के तीनों दलों पर लाल चंदन से क्रमशः ऐं, ह्री, श्रीं लिखें। अंतिम 108 वां बिल्वपत्र शिवलिंग पर चढ़ाने के बाद उसे अपने पूजन स्थान पर रखकर प्रतिदिन उसकी पूजा करें। श्रावण में शिव जी को एक बिल्वपत्र चढ़ाने से तीन, जन्मों के पापों का नाश होता है।

सावन का महीना भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। इस पूरे माह देवाधिदेव महादेव को प्रसन्न कर जीवन में कष्टों से राहत पाई जा सकती है। इस माह किसी भी दिन घर में पारद शिवलिंग की स्थापन कर उसका विधि विधान से नियमित पूजन करें 'ऐं ह्रीं श्रीं ऊं नमः शिवायः.....' अथवा महामृत्युंजय मंत्र का 108 बार बिल्व पत्र चढ़ाते हुए जाप करें। बिल्व पत्र के तीनों दलों पर लाल चंदन से 'ऐं ह्रीं श्री.....' लिखें। ऐसा करने से कई जन्मों के पाप का नाश होता है। भगवान शिव को बिल्व पत्र के अलावा आक, पुष्प, शमी पल्लव, शमी पुष्प और धतूरा भी प्रिय है। सावन का महीना अपने साथ वर्षा की बौछार लेकर भी आया है, यह तपती धरती को गीला कर नवांकुर फूटने का तो कारण बनेगा ही विषपायी भगवान नीलकंठ के कंठ को भी शीतलता प्रदान करेगा। इस माह शिव पूजा के साथ भजन-सत्संग और दान-पुण्य का विशेष महत्व है। सावन में भक्तगण के साथ-साथ प्रकृति भी शिवमय हो जाती है। यह महीना 4 जुलाई से शुरू होकर 31 अगस्त तक चलेगा। हिंदुओं के लिए यह महीना बहुत ही पवित्र माना जाता है, क्योंकि इसका एक-एक दिन देवी-देवताओं को समर्पित है। इन दिनों भगवान शिव और विष्णु की विशेष पूजा होती है। मान्यता है कि समुद्र मंथन से अनमोल रत्नों के साथ-साथ हलाहल भी निकला। मानवता की रक्षा के लिए शिव जी ने इसे ग्रहण कर अपने कंठ में ही रोक लिया। विष की वजह से ही उनका कंठ नीला पड़ गया। इसलिए उन्हें नीलकंठ भी कहते हैं। विष के प्रभाव को कम करने के लिए देवतागण शिव का गंगाजल से अभिषेक करने लगे। यही वजह है कि शिवभक्त आज भी सावन महीने में दूर-दूर से जल भरकर महादेव का जलाभिषेक करते हैं। महाभारत में भी सावन में शिव और विष्णु की पूजा का विशेष उल्लेख मिलता है। सावन शुरू होते ही देश भर के शिवभक्त कांवड़िए के रूप में निकल पड़ते हैं आशुतोष को प्रसन्न करने। सावन में द्वादश ज्योतिर्लिंग और सभी शिवमंदिरों में बाबा भोले को जल चढ़ाया जाता है। देवघर (झारखंड) स्थित वैद्यनाथ धाम में दूर-दूर से शिवभक्त पहुंचते हैं। बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम आदि राज्यों के अलावा, नेपाल और अन्य देशों के श्रद्धालु भी यहां जलाभिषेक करने आते हैं। सावन में कांवड़िए हरिद्वार, गंगोत्री, गौमुख, प्रयागराज आदि स्थान से भी गंगाजल भरते हैं और अपने-अपने शहर के शिवमंदिर या घर में प्रतिष्ठित शिवलिंग का जलाभिषेक करते हैं।

अर्जुन साधेगा लक्ष्य

नियति का खेल भी बड़ा अजीब है। परिवार में एक मां के दोनों बेटे जन्मजात दिव्यांग हैं। जिससे परिवार भी कष्टप्रद जीवन व्यतीत कर रहा है। हनुमानगढ़ (राजस्थान) निवासी बाल सिंह का सबसे बड़ा बेटा जन्मजात दोनों पैरों से दिव्यांग होकर घिसटने को मजबूर है। दूसरी संतान के रूप में बेटी का जन्म हुआ वह बिल्कुल सामान्य है। लेकिन तीसरी संतान के रूप में बेटे का जन्म हुआ तो परिवार में खुशियां छाई पर नियति को कुछ और ही मंजूर था। इस बेटे का जन्म भी दिव्यांगता के साथ हुआ। तमाम खुशियों को ग्रहण लग गया। माता-पिता ने आस-पास के कई हॉस्पिटलों में दिखाया पर कहीं से भी सफल उपचार नहीं मिला। बाल सिंह वेलदारी कर परिवार के 8 सदस्यों का गुजारा चलाते हैं। परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण किसी बड़े अस्पताल में दोनों बेटो का उपचार भी संभव नहीं था। सब तरफसे हार मान चुके बाल सिंह को गाँव के ही एक व्यक्ति ने नारायण सेवा संस्थान की जानकारी दी।

बाल सिंह बताते है कि प्लास्टर खुलने के बाद अब अर्जुन कैलिपर के सहारे आराम से खड़ा हो कुछ कदम चल लेता है। पहले से काफी आराम है। अब उम्मीद ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि अर्जुन चलेगा भी और जीवन का लक्ष्य भी साधेगा।

उसने बताया कि संस्थान वर्षों से निःशुल्क पोलियो सुधार ऑपरेशन एवं दिव्यांगों की सेवा में समर्पित है। वह 25 फरवरी 2023 को अर्जुन को उदयपुर ले आए। संस्थान के डॉक्टरों ने जांच कर 16 मार्च को बांए पांव का सफल ऑपरेशन किया। करीब एक माह में दो बार विजिंग के बाद पांव सीधा हुआ, साथ ही 4 मई को दूसरे पांव का भी सफल ऑपरेशन किया गया।

नहीं मानी कभी हार जीत की ओर -प्रवीण

प्रवीण अपने संघर्ष को लेकर कहते हैं कि उन्होंने जीवन में कभी हार नहीं मानी। कठिन हालात में भी कोशिश करता रहा कि अपनी मुस्कराहट से माता-पिता के दुःख को कम करूं। अब कैलिपर के सहारे मैं आराम से चल सकता हूँ और मोबाइल रिपेयरिंग कोर्स कर अपने माता-पिता का सहारा बन उनके सपनों को भी पूरा करूंगा।

मजदूरी कर पांच सदस्यों की गृहस्थी चलाने वाले शाहजहांपुर (उप्र) निवासी प्रदीप-पूनम की जिन्दगी बेटे प्रवीण के जन्म के बाद जैसे निहाल हो गई थी। लेकिन यह खुशी ज्यादा दिनों नहीं टिकी। जब प्रवीण महज 4 माह का था उसे दिव्यांगता ने जकड़ लिया। 4 महीने की उम्र में बुखार आया जो उसे पोलियो का दंश दे गया। दोनों पैर पतले और कमजोर हो गए। बहुत इलाज के बाद भी पिछले 22 सालों से वह जमीन पर घिसटने को मजबूर था। जिन्दगी पूरी तरह उदास,निराशा और चुनौतीपूर्ण थी। मार्च 2022 में सोशल मीडिया से नारायण सेवा संस्थान के सेवा प्रकल्पों और निःशुल्क कृत्रिम अंग व कैलिपर्स वितरण की जानकारी प्राप्त हुई। संस्थान से सम्पर्क कर पहली बार प्रवीण माता-पिता के साथ 12 अप्रैल को संस्थान (उदयपुर) आए।

यहां आने पर प्रोस्थेटिस्ट और ऑर्थोटिस्ट टीम ने दोनों पैरों की गहनता से जांच कर 13 अप्रैल को विशेष कैलिपर्स तैयार कर पहनाया, जिससे उनकी चलने की समस्या हल हो गई। अब कैलिपर के सहारे आराम से चलते हैं। आत्मनिर्भर बनने हेतू संस्थान में रहकर 3 महीने का निःशुल्क मोबाईल रिपेयरिंग प्रशिक्षण प्राप्त कर भविष्य के सुनहरे सपने बुन रहे हैं।

हेमन्त को मिला हौसला

एक प्राइवेट कम्पनी में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत हेमन्त परिवार के छः सदस्यों के साथ खुशहाल जीवन बिता रहे थे कि एक ऐसी शाम आई जो उनके जीवन में अनायास अंधेरा कर गई। पानीपत (हरियाणा) निवासी हेमन्त भटनागर (38) जब अपनी आपबीती बताते हैं तो कुछ क्षणों के लिए स्तब्ध हो जाते हैं। 30 सितंबर 2017 को काम से घर लौट रहे थे कि पानीपत रेलवे ट्रेक पार करते वक्त अचानक गिर पड़े और बांया पांव ट्रेक में फंस गया। बहुत प्रयास किया पर पांव को निकाल नहीं पाए। इसी दौरान तेज रफ्तार आती ट्रेन पांव को चपेट में लेते हुए आगे बढ़ गई।

इस दर्दनाक हादसे में तड़पता देख मुझे वहां खड़े लोगों ने पास के अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलने पर परिजन भी अस्पताल पहुंचे। पैर के बुरी तरह से क्षत-विक्षत होने से डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार कर पैर काटा। इलाज करीब दो साल तक चला। इस दौरान परिवार को बहुत सी मुश्किलें झेलनी पड़ीं। आर्थिक तंगी के कारण ससुराल और रिश्तेदारों से कर्ज ले इलाज कराना पड़ा। इस घटना से परिवार भी टूट सा गया। जीवन में अब सिर्फ अंधेरा था। चलती-फिरती, हंसती-बतियाती जिंदगी पलभर में बिस्तर पर गुमसुम हो गई। अब पत्नी प्राइवेट स्कूल में पढ़ा कर घर का गुजारा चला रही हैं। घर बैठे-बैठे मैं भी हीनभावनाओं का शिकार होता जा रहा था कि मार्च 2023 में एक दिन टीवी पर नारायण सेवा संस्थान के सेवाकार्यों को देख उम्मीद जगी। 8 अप्रैल को संस्थान आने पर जांच कर पांव का माप लिया गया। टीम ने 23 अप्रैल को विशेष कृत्रिम पांव तैयार कर पहनाया, अब आत्मनिर्भर बनने हेतु संस्थान में रहकर निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण भी ले रहा हूँ, ताकि स्वरोजगार कर परिवार का पुनः सहारा बन सकूं।

कृत्रिम अंग ने बदली वैष्णवी की जिन्दगी

उत्तर प्रदेश के झांसी शहर निवासी पुष्पेन्द्र-मनीषा यादव को अपने घर बेटी के जन्म से खुशी तो बहुत हुई परन्तु जब उसके पांवों की और नजर गई तो दुःख भी बहुत हुआ। बेटी का दांया पैर जन्म से ही विकृत अथवा छोटा था। दांए पैर के इस असंतुलन को देख परिजन उसके भावी जीवन को लेकर चिंतित हो उठे। झांसी के अस्पताल में दिखाया पर नाउम्मीदी ही हाथ लगी। नसीब ही खराब मान माता-पिता बेटी वैष्णवी की परवरिश में लग गए। पांच साल की होने पर उसे चलने-फिरने, उठने-बैठने में तकलीफों का सामना करना पड़ता था। एक पांव छोटा व बड़ा होने से फुदक कर चलने को मजबूर थी। आसपास के बच्चे उसे देख प्रायः हंसते और संकेतों से चिढ़ाया करते। यह स्थिति देख माता-पिता की आंखों में आंसू छलक आते। उन्हें बार-बार बेटी के भविष्य की चिंता सताने लगी। निराशा पूर्ण हालातों में एक दिन उन्हें आस्था चैनल के माध्यम से नारायण सेवा संस्थान के निःशुल्क सेवाकार्यों एवं कृत्रिम अंग वितरण के बारे में जानकारी मिली। जो अन्ततः अंधेरे जीवन को रोशन करने वाली साबित हुई। बिना समय गंवाए वे 14 मई 2023 को वैष्णवी (5) को लेकर उदयपुर स्थित संस्थान में आए। जहां चिकित्सकों की टीम ने जांच कर पांव का माप लिया। दो-तीन दिन बाद विशेष मॉड्यूलर कृत्रिम पाँव तैयार कर पहनाया गया। जिसे पहनते ही वैष्णवी के चेहरे पर खुशी दमक उठी। बेटी को पूरे संतुलन के साथ चलते देख माता-पिता की आखों से भी खुशी के आंसू छलक पड़े। वे कहते हैं कि संस्थान एवं दानदाताओं के सहयोग से कृत्रिम पैर के साथ बेटी के नए जीवन की शुरुआत हुई है।

कृपया अंगविहिनों को दें अपना आशीर्वाद

दिव्यांगजन के लिए कुछ करने

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांगजन से मिलने और बातचीत करने से उनके लिए कुछ नया करने की दिशा मिलती है, जिससे काफी सुकून मिलता है। दिव्यांगों को ट्राई साइकिल, व्हील चेयर, स्कूटी व अन्य सहायक उपकरण मिलने से उनमें उत्साह और उमंग से जीने की तमन्ना जागती है। मुख्यमंत्री ने उनके चित्र की सजीव रंगोली उकेरने वाली दिव्यांग जया महाजन के सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया और उसे राज्य सरकार की ओर से स्कूटी देने की घोषणा की। कार्यक्रम में दोनों पांवों से पोलियो ग्रस्त जगदीश पटेल ने व्हील चेयर पर 'धन्यवाद जननायक अशोक गहलोत, महंगाई सू राहत दिराई' राजस्थानी गीत पर आकर्षक नृत्य की प्रस्तुति दी।

नारायण सेवा संस्थान में निःशुल्क बांटे सौ से अधिक कृत्रिम अंग

राजस्थान के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री अशोक जी गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार निरोगी राजस्थान संकल्प के साथ दिव्यांगजन की सेवा और सहायता के लिये अनेक योजनाओं पर काम कर रही है। जयपुर में बाबा आम्टे दिव्यांग विश्व विद्यालय की स्थापना से इनके बहुमुखी विकास में बड़ा योगदान मिलेगा। वे 22 मई को नारायण सेवा संस्थान के सेक्टर 4 स्थित मानव मंदिर परिसर में दिव्यांगजन के लिए अत्याधुनिक कृत्रिम अंग वितरण शिविर का उद्घाटन कर रहे थे। जिसमें प्रथम दिन ही सौ से अधिक दिव्यांगों को कृत्रिम अंग (हाथ-पैर) व कैलीपर प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश 2014 में पोलियो मुक्त हो गया था, लेकिन उससे पूर्व के पोलियो ग्रस्त युवाओं के रोजगार व जन्मजात विकृति के साथ उत्पन्न बच्चों की चिकित्सा के क्षेत्र में नारायण सेवा संस्थान बेहतर कार्य कर रहा है। पिछले 25 वर्ष

से मिलता है सुकून: मुख्यमंत्री

में मुझे इनके सहायता कैम्पों में जाने और देखने का अवसर मिलता रहा है। ऐसी संस्थाओं की सहायता के लिए राज्य सरकार हमेशा तैयार है। राज्य में भीषण अकाल के दौरान भी इस संस्थान ने निरन्तर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य किया। पीड़ित परिवारों को सहायता पहुंचाई। मुख्यमंत्री ने दिव्यांगजन के लिये चलाये जा रहे विभिन्न रोजगारोन्मुख प्रशिक्षणों व मूक-बधिर बच्चों की विशेष कक्षाओं का भी अवलोकन किया। प्रारंभ में संस्थान संस्थापक पूज्य गुरुदेव श्री कैलाश जी 'मानव' व कमला देवी जी ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए उन्हें अश्वारूढ़ महाराणा प्रताप की प्रतिमा भेट की। अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया से मुख्यमंत्री ने पूरी आत्मीयता के साथ संस्थान की जानकारी ली और मदद के लिए आश्वस्त किया। निदेशक वन्दना जी ने शाल व उपरणा ओढ़ाकर मुख्यमंत्री को अभिन्दन पत्र भेट किया। संचालन ऐश्वर्य त्रिवेदी ने किया।

इस दौरान पूर्व शिक्षामंत्री श्री गोविंद सिह जी डोटासरा, राजस्व मंत्री श्री रामलाल जी जाट, जनजाति मंत्री श्री अर्जुन सिंह जी बामणिया, पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. गिरिजा जी व्यास, पूर्व विधायक सज्जन जी कटारा, धरोहर एवं संरक्षण प्राधिकरण के निदेशक श्री मनोहर लाल जी गुप्ता, संभागीय आयुक्त श्री राजेन्द्र भट्ट, जिला कलेक्टर श्री ताराचंद मीणा, आई. जी. श्री अजयपाल लांबा, एस.पी. श्री विकास शर्मा, एडीएम प्रभा जी गौतम, उपनिदेशक सामाजिक न्याय मान्धाता सिंह, समाजसेवी पंकज जी शर्मा, गोपाल जी शर्मा, विवेक जी कटारा आदि भी मौजूद थे।

स्नेह मिलन में 'भामाशाह' सम्मानित

संस्थान के सेवा महातीर्थ बड़ी परिसर में 27 मई को संस्थान सहयोगियों, शाखा प्रेरकों व आश्रम प्रभारियों का दो दिवसीय आत्मीय स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह सम्पन्न हुआ। जिसका उद्घाटन दीप प्रज्वलन कर संस्थान संस्थापक पूज्य गुरुदेव कैलाश जी 'मानव' व सहसंस्थापिका गुरुमाता श्रीमती कमला देवी जी ने किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन एवं अन्य जरूरतमंदों को संस्थान सहयोगी, शाखा प्रेरक एवं संयोजक अपने-अपने क्षेत्रों में अविलम्ब सहायता पहुंचा सकें इसका भरसक प्रयास करें। अध्यक्ष सेवक प्रशान्त भैया ने सेवा-मनीषियों का स्वागत किया एवं देश-विदेश में दिव्यांगजन को कृत्रिम हाथ-पैर लगाने व सहायक उपकरण वितरण के इस वर्ष आयोजित शिविरों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सेवा और परोपकार तभी सम्भव है, जब व्यक्ति में संवेदना, करुणा और भावना हो। मनुष्यत्व की पहचान भी यही है। समारोह में राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, गुजरात, पंजाब, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों के सेवा-मनीषियों ने भाग लिया जिन्हें 'भामाशाह-सम्मान' प्रदान किया गया। समारोह में नारायण गुरुकुल के बालकों द्वारा प्रस्तुत 'आदियोगी नृत्य' व दिव्यांग युवक जगदीश पटेल की व्हीलचेयर व मलखंभ पर रोमांचक प्रस्तुति को खूब सराहा गया। समारोह को सहसंस्थापिका कमला देवी जी, निदेशक वंदना जी अग्रवाल ने भी संबोधित किया। संचालन महिम जैन व धन्यवाद ज्ञापन ट्रस्टी निदेशक देवेंद्र चौबीसा ने किया। सभी अतिथियों ने निःशुल्क सर्जरी के लिए आए दिव्यांगजन और उनके परिजनों से भी भेंट की। देशभर से आए 500 से अधिक समाज सेवियों ने संध्या काल में करणीमाता, महाराणा प्रताप गौरव केंद्र, फतह सागर सहित अन्य दर्शनीय स्थलों का भ्रमण किया। दूसरे दिन 28 मई को सभी सहभागियों ने मेवाड़ के आराध्य देव श्री एकलिंगनाथजी व श्रीनाथजी के दर्शन किए।

निराशा के बादलों में उम्मीद का सूर्योदय

800 से अधिक दिव्यांगजन शिविरों में लाभान्वित

नगरों में आपश्री में हाथ - पैर निःशुल्क कृत्रिम अंग सर्जरी के माध्यम से पांवों विशेष कैलिपर बना कर बैठे अथवा किसी ओर के दैनन्दिन कार्य स्वयं कर सकें।

अनायास ऐसी घटनाएं हो जाती हैं जो प्रश्न चिह्न बन जाती हैं। राह चलते, सीढ़ियां चढ़ते - उतरते, उठते - बैठते अथवा सड़क हादसे की दुर्घटनाएं अत्यधिक पीड़ादायी होती हैं। कभी-कभार तो शरीर के महत्वपूर्ण अंग हाथ-पैर भी इन दुर्घटनाओं में गवाने पड़ते हैं। नारायण सेवा संस्थान ने मई माह में ऐसे ही अनेक भाई-बहिनों को कृत्रिम हाथ-पैर उपलब्ध करवा कर उनकी हताश जिन्दगी को फिर से सक्रिय कर दिया। संस्थान ने मई में देश के दस के दान - सहयोग से दुर्घटनाओं गंवाने वाले 392 दिव्यांगजन को उपलब्ध कराए,तो करीब 271 के की विकृति दूर कर उनके लिए दिए, ताकि उन्हें घिसटकर बैठे-सहारे चलना न पड़े और अपना

प्रस्तुत है - संक्षिप्त ब्यौरा -

» **गाजियाबाद** में 5 मई को आयोजित शिविर में 14 दिव्यांजन के कृत्रिम हाथ-पैर व 4 के कैलीपर लगाए गए। मुख्य अतिथि रॉयल स्कोल सन सिटी के श्री अश्विनी चौधरी व श्री गिरीश विष्ट थे।

» **दिल्ली** शिविर में 6 मई को पूर्व महापौर श्याम सुन्दर जी अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य मे 15 लोगों को ट्राईसाइकिल, 5 को व्हील चेयर प्रदान करने के साथ ही पांच का पांव में विकृति सुधार के लिए सर्जरी हेतु चयन किया गया।

» **अम्बाला** में सीताराम नाम बैंक शाखा के सौजन्य से आयोजित शिविर में 7 मई को सम्पन्न सहायता शिविर में 230 दिव्यांगजन का पंजीयन हुआ। इनमें से 46 को कृत्रिम अंग व 34 को कैलीपर लगाए गए। मुख्य अतिथि श्री अजीत

जी शास्त्री व श्री अमरनाथ जी धीमान ने 15 व्हील चेयर, 20 ट्राईसाइकिल, 8 वैशाखी व 10 श्रवण यंत्र वितरित किए। डॉ. गौरव तिवारी ने 4 दिव्यांगों का निःशुल्क आपरेशन के लिए चयन किया।

» **प्रयागराज** में रोटरी क्लब मिडटाउन के सौजन्य से 7 मई को सम्पन्न शिविर में श्री संजय जी गुप्ता व विश्व हिन्दू परिषद काशी प्रांत के पदाधिकारियों ने 207कृत्रिम अंग व 89 कैलीपर का वितरण किया।

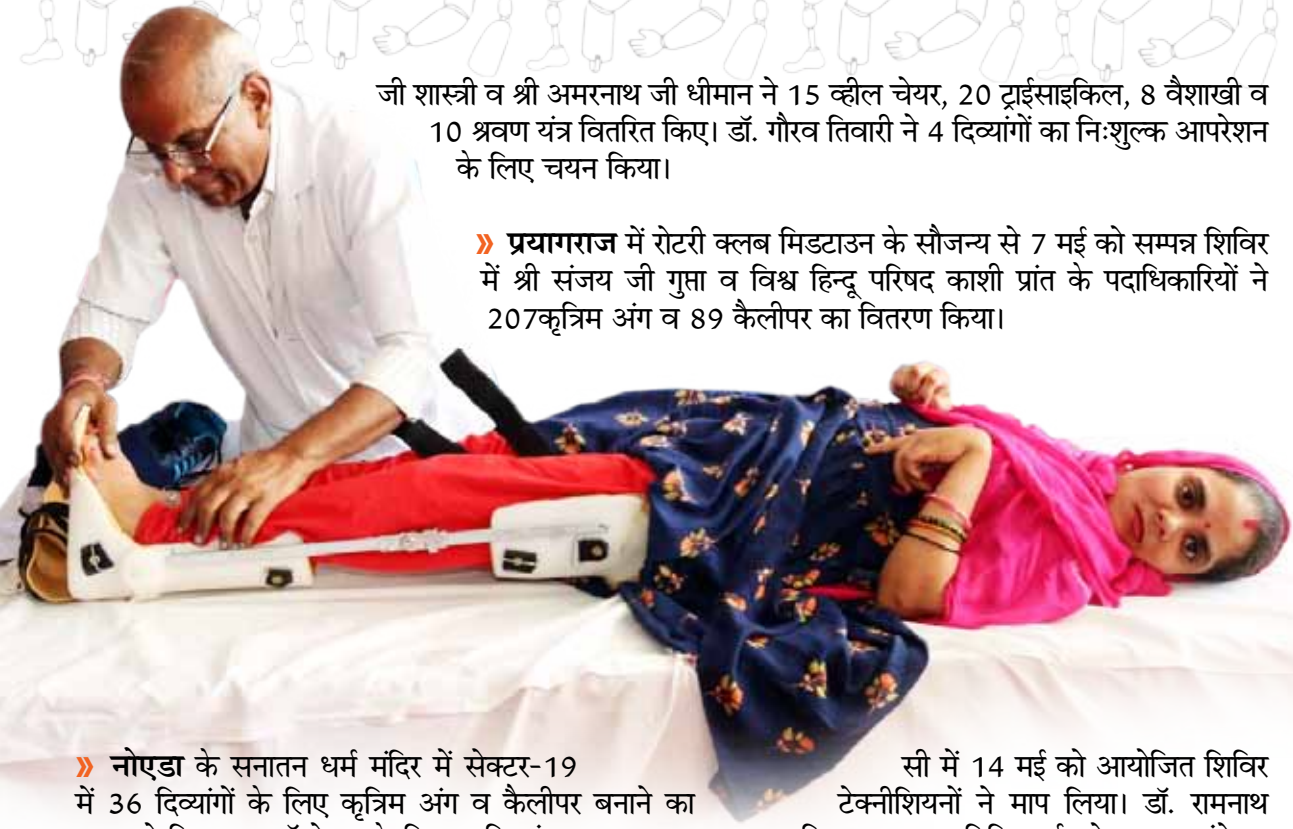

» **नोएडा** के सनातन धर्म मंदिर में सेक्टर-19 सी में 14 मई को आयोजित शिविर में 36 दिव्यांगों के लिए कृत्रिम अंग व कैलीपर बनाने का टेक्नीशियनों ने माप लिया। डॉ. रामनाथ ठाकुर ने निःशुल्क ऑपरेशन के लिए 5 दिव्यांगजन का चयन किया। मुख्य अतिथि सर्वर वेबकुल फाउंडेशन के श्री अजयकुमार व सनातन धर्म मंदिर के महासचिव श्री संजय बाली जी थे।

» **अलवर** की पुरुषार्थी धर्मशाला में श्री बनवारी लाल जी सिंघल के सहयोग से 14 मई को सम्पन्न शिविर में 16 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 17 को कैलीपर वितरित किए गए। पंजाबी वेलफेयर सोसायटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री दीवान चन्द जी सैतिया ने शिविर की अध्यक्षता की।

» **सरदारशहर** बालिका उ. मा. विद्यालय में 24 मई को पार्षद शोभाकांत जी स्वामी, श्रीमती मोनिका जी सैनी, सरोज जी स्वामी,. ममता जी वर्मा के सानिध्य में सम्पन्न शिविर में 14 दिव्यागों को कृत्रिम अंग वितरण कर 25 के केलीपर बनाने का माप लिया गया।

» **दतिया** के स्वामी महाराज कॉलेज में 24 मई को एसआरए हॉस्पीटल व संत समाज सेवा संस्थान के सहयोग से आयोजित कैंप में 23 को कृत्रिम

अंग व 28 को कैलीपर वितरित किए गए। मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला कलेक्टर श्री रूपेश उपाध्याय थे। अध्यक्षता श्री रमाकांत जी महाराज ने की।

» **नोहर** शक्तिपीठ ट्रस्ट के सहयोग से पारीक भवन में कथा व्यास श्री लेखराज जी शास्त्री के सानिध्य में 25 मई को आयोजित शिविर में 26 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 46 को कैलिपर का वितरण किया गया।

» **चंडावल** आदिनाथ राधा-माधव गौशाला एवं ग्राम पंचायत के सहयोग से 27 मई को आदर्श उप्रावि में सम्पन शिविर में 24 दिव्यांगों के लिए कृत्रिम अंग व 14 के कैलीपर बनाने का माप लिया गया। मुख्य अतिथि प्रेमाराम जी निम्बेल थे। विशिष्ट अतिथि सरपंच श्रीमती कंचन गुर्जर व गौशाला के उपाध्यक्ष श्री विरमाराम थे।

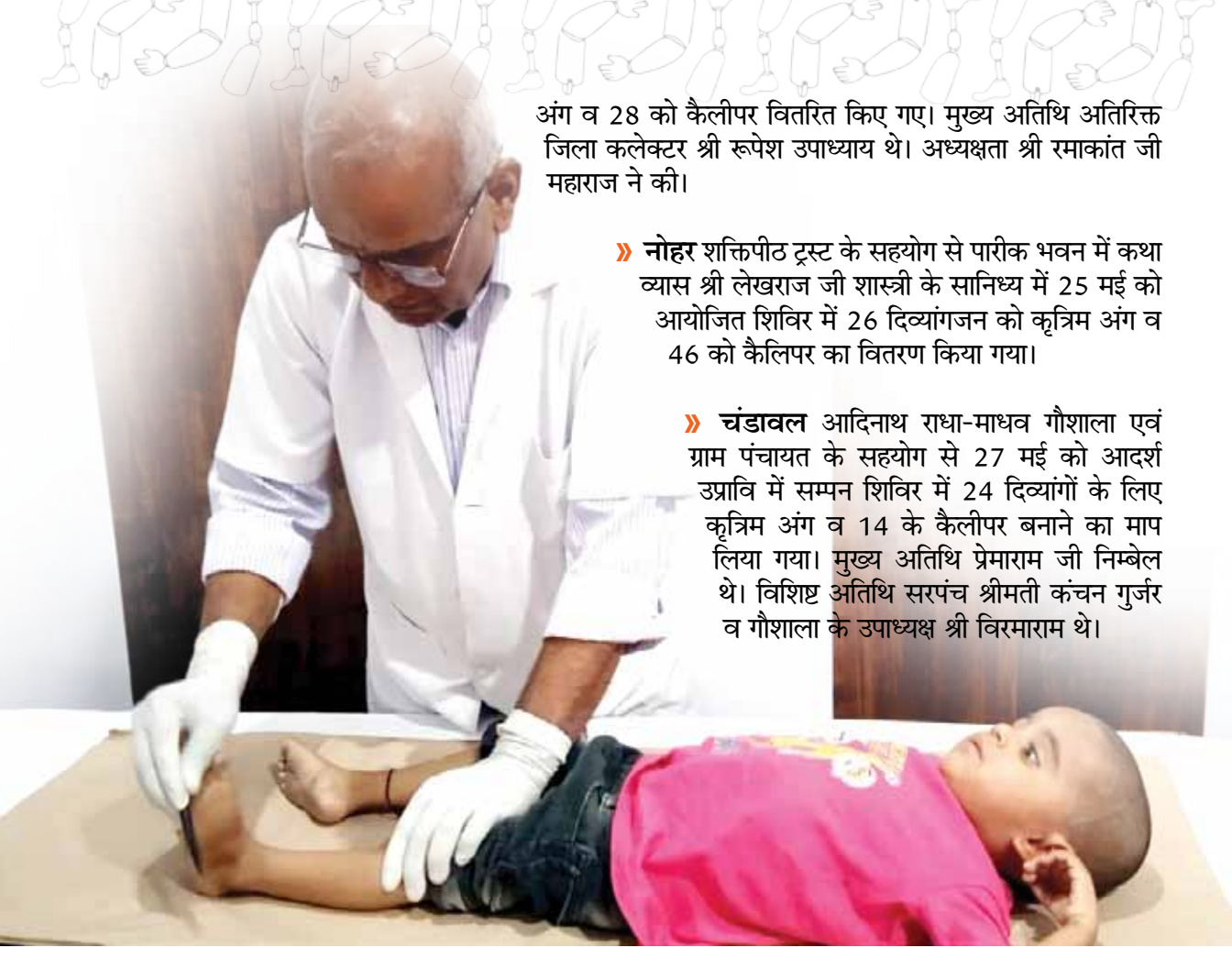

संस्थान द्वारा आयोजित आगामी सेवा कार्य

» 16 जुलाई - दिव्यांग शल्य चिकित्सार्थ जांच -चयन एवं नारायण लिम्ब माप शिविर- बैंगलौर

» 22 जुलाई - श्रीनाथ जी दर्शन व आत्मीय स्नेह मिलन एवं भामाशाह सम्मान समारोह - उदयपुर

» 23 जुलाई - नारायण लिम्ब फिटमेन्ट शिविर अलीगढ़

» 6 अगस्त - भागवत कथा, अधिक मास श्रावण मास

» 13 अगस्त - श्रीनाथ जी दर्शन व भामाशाह सम्मान समारोह - उदयपुर

» 20 अगस्त- नारायण लिंब फिटमेन्ट शिविर फरीदाबाद, चैन्नई

» 20 अगस्त - टेलेन्ट शो - पुणे

» 22 अगस्त- नारायण लिंब फिटमेन्ट शिविर एवं भामाशाह सम्मान समारोह - गोरखपुर

» 27 अगस्त- नारायण लिंब फिटमेन्ट शिविर - जन्तुर (परभणी)

जीवन के बहीखाते में सेवा का इंद्राज करें

संस्थान में दिव्यांगता सुधारात्मक नि:शुल्क ऑपरेशन के लिए देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले दिव्यांग भाई-बहिनों व उनके साथ आने वाले परिजनों से साधकों, चिकित्सकों का तो दैनन्दिन सम्पर्क रहता ही है ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो साथ ही उनसे पारिवारिक, अंतरग और अध्यात्मिक की चर्चा के लिए संस्थापक पूज्य कैलाश 'मानव', गुरुमाता कमलादेवी जी व अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया भी 'अपनों से अपनी बात' कार्यक्रम के जरिए प्राय: उनके बीच रहते हैं और इस कार्यक्रम का विभिन्न चैनलों के माध्यम से देश भर मे सीधा प्रसारण भी होता है।

मई-जून में इस कार्यक्रम का आयोजन 14 से 16, 25 से 28 मई और 31 मई से 3 जून तक सम्पन्न हुआ। जिसमें अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने उत्प्रेरणात्मक संवाद किया। उन्होंने दिव्यांगजन व उनके परिजनों से वार्ता कर उनके जीवन संघर्ष को जाना और समस्याओं के समाधान पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपना ही दु:ख भारी लगता है, जब कि उससे कहीं ज्यादा पीड़ा भोग रहे लोग समाज में हैं। दु:ख और तकलीफों को हौसले से ही दूर किया जा सकता है। जो लोग हिम्मत के साथ आगे बढ़ते हैं उनका हाथ थामने के लिए और लोग भी मिल जाते हैं।

मनुष्य को अपने दु:ख भूल कर भी दूसरों की मुश्किलें हल करने में सहायक बनना चाहिए। जीवन के बहीखाते में सेवा का इन्द्रांज ही अन्त समय में काम आएगा। स्वार्थ से ऊपर उठकर जीना ही मानव धर्म है। दिव्यांगों के कष्टों के परिप्रेक्ष्य में महर्षि अष्टावक्र के जीवन का उदाहरण देते हुए बताया उनका शरीर आठ जगह से विकृत था लेकिन वे अपनी सेवा, ज्ञान और साधना से सम्पूर्ण भूमंडल में पूजित हुए। व्यक्ति को कठिन से कठिन परिस्थिति में हार नहीं माननी चाहिए और प्रभु की व्यवस्था में पूर्ण निष्ठा व श्रद्धा रखते हुए आगे बढ़ते रहने का प्रयत्न करना चाहिए कार्यक्रम के दौरान दिव्यांगजन की रुचियों, प्रतिभाओं और उनके भविष्य के सपनों को लेकर भी सकरात्मक चर्चा हुई।

झीनी-झीनी रोशनी-51

पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' का सेवा संस्कारों से पोषित जीवन समाज के लिए अनुकरणीय है।'मानव' जी के निकट रहे वरिष्ठ पत्रकार श्री सुरेश गोयल ने उनके जीवन-वृत को 'झीनी-झीनी रोशनी' पुस्तक में प्रस्तुत किया है।

कैलाश जी ने उससे हर तरह की बात कर ली मगर पोस्ट ऑफिस सम्बंधी कोई बात नहीं की। न कोई शिकायत, न डांट-डपट या फटकार। पोस्ट मास्टर इसकी तैयारी करके आया था कि इन्सपेक्टर डांट डपट करे नहीं कि वह बन्दूक से उसे डरायेगा-धमकाएगा। ऐसा कुछ नहीं हुआ तो उसका भी दिल पसीज गया। वह यह सब सोच ही रहा था कि इन्सपेक्टर ने डाकखाने की बातें शुरू कर दी, यकायक पोस्ट मास्टर का हाथ अपनी बन्दूक पर चला गया मगर इन्सपेक्टर की बात सुनते ही वापस शिथिल हो गया।

कैलाश जी ने कार्यालय सम्बन्धी बात की शुरूआत ही यह कह कर की कि इस पोस्ट ऑफिस में जितना काम है उसे देखते हुए स्टाफ की बहुत कमी है। इतना सारा काम आप जैसा अकेला व्यक्ति निपटाता है यह बहुत बड़ी बात है। बन्दूकधारी पोस्ट मास्टर डांट-फटकार की अपेक्षा कर इन्सपेक्टर को सबक सिखाने की ठानकर आया था, उसे इसी बात का क्रोध था कि इस इन्सपेक्टर की हिम्मत कैसे हो गई यहां आने की, कितने ही इन्स्पेक्टर आये और गये मगर यहां आने की आज तक किसी की हिम्मत नहीं हुई। कैलाश जी की बातों का पोस्ट मास्टर पर जादुई असर हुआ। उसके तमाम तेवर ढीले पड़ गये और वह छुई मुई की तरह होकर बोला - पहली बार किसी अधिकारी ने मेरी मजबूरी को समझा है। सब शिकायतें करते रहते हैं, मगर मैं किस मुश्किल से काम करता हूं, इसका एहसास आपने ही किया है। कैलाश जी अपनी सफलता पर मन ही मन प्रसन्न हुए। ऐसे व्यक्ति से निपटने का अन्य कोई तरीका भी नहीं था। जब पोस्ट मास्टर पूरी तरह उनके वश में हो गया तब कैलाश जी ने अपना तीर छोड़ा।

गांव में एक डाक बंगला था। कैलाश जी वहीं ठहरे थे। पोस्ट मास्टर भी उसके साथ डाक बंगले आ गया था। दोनों देर रात इधर-उधर की बातें करते रहे। पोस्ट मास्टर का बात बात में ओम नमः शिवाय कहना खत्म ही नहीं हो रहा था। अचानक कैलाश जी ने कहा कि उसे ओम नमः शिवाय बोलने का कोई हक नहीं है। यह बात सुन वह चौंक गया और पूछ बैठा-क्यूं ? कैलाश जी ने तब उसे कहा-क्यूंकि ओम नमः शिवाय तो शिव भक्त बोलते हैं, मगर आप तो शिव भक्त हो ही नहीं। कैलाश की बात सुनकर वह भौंचक्का रह गया, आवेश में आकर बोल उठा कैसे कह सकते हैं। कैलाश मन ही मन मुदित होने लगा, संवाद उसी दिशा में अग्रसर हो रहा था जिधर वे ले जाना चाहते थे। उन्होंने जवाब दिया कि सच्चा शिव भक्त वही होता है जो दूसरों की मदद करे, दीन-दुखियों की चिन्ता करे, आपने तो बजाय इनकी मदद करने, इन्हें कष्ट पहुँचाया है, वेदना दी है। यह सुनकर उसका आवेश कम हुआ और जुगुप्सा बढ गई। वह पूछ बैठा-ऐसा आप कैसे कह सकते हैं?

सन् 2023 में सेवा कार्यों का लक्ष्य

दानवीरों का सहयोग संस्थान को समय-समय पर मिलता रहा है।
आगे भी संस्थान अपने सेवा कार्यों का विस्तार करने जा रहा है-जिसमें आपकी भागीदारी आवश्यक है।

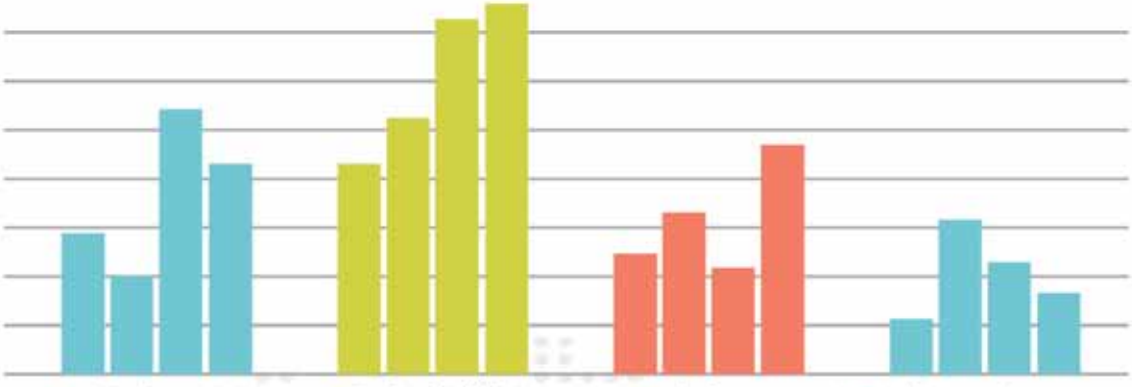

ऑपरेशन
15600

फिजियोथेरेपी
50000

केलीपर
21840

कौशल प्रशिक्षण
6500

व्हील चेयर
9300

ट्राई साईकिल
6100

बैसाखी
15130

कृत्रिम अंग
8000

नारायण रोटी पैकेट
288058

अन्न वितरण
30043

आवासीय विद्यालय
200

नारायण चिल्ड्रन एकेडमी
650 बच्चे

सामूहिक विवाह (जोड़े)
150

ऑर्थोपेडिक
200

प्राकृतिक चिकित्सा
200

पैरा स्पोर्ट्स एकेडमी
1500

सुपर स्पेशलिटी हॉस्पीटल वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी

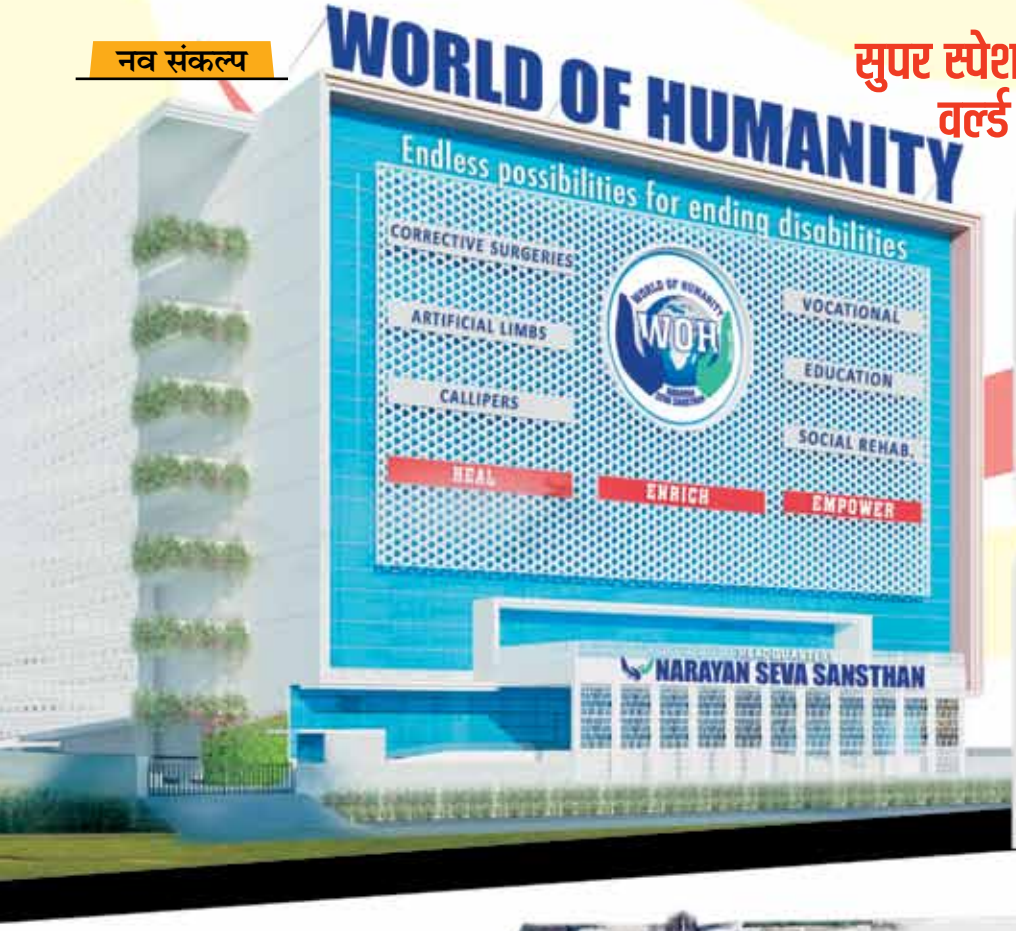

450 बेड का नि:शुल्क सेवा हॉस्पीटल

नि:शुल्क शल्य चिकित्सा, जांचे, ओपीडी

बस स्टेण्ड से मात्रा 700 मीटर दूर

7 मंजिला अतिआधुनिक सर्वसुविधायुक्त

नि:शुल्क कृत्रिम अंग निर्माण कार्यशाला

रेल्वे स्टेशन से 1500 मीटर दूर

निर्माण सहयोगी बनें

पुण्य ईंट-लॉबी-दीवार पर नाम

1,00,000 रू.

सेवा ईंट-पायें पुण्य

51,000 रू.

मानवता ईंट-करूणा भाव से स्वागत

21,000 रू.

भारत में संचालित संस्थान शाखाएं

राजस्थान

पाली
श्री कान्तिलाल मूथा,07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़

श्री मनोज कुमार मेहता,
मो.-09468901402
मकान नं. 5डी-64, हाउसिंग बोर्ड जोधपुर रोड के पास, पानी की टंकी, पाली

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल
09829769960 C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड़, भीलवाड़ा-311001

चुरू
श्री गोरधन शर्मा,09588913301,गाँव व पो.-झोंथड़ा, त. तारानगर, चुरू-331304

बखतगढ़
श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी,08989609714, बखतगढ, त.-बदनावर,जि.-धार (म.प्र.)

बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी,09887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने बहरोड़, अलवर (राज.)
श्री भुवनेश रोहिल्ला,मो. 8952859514, लैडिज फैशन पोईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा, 07300227428
के.वी. पब्लिक स्कूल,
35 लादिया,बाग अलवर

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़,झोंटवाड़ा, जयपुर 302012

अजमेर
श्री सत्य नारायण कुमावत,09166190962
कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज,किशनगढ़, अजमेर

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,09829960811, ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी, चित्तौड़ रोड़, बून्दी

झारखण्ड

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन,मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड़ सदर थाना गली, हजारीबाग

हजारीबाग
श्री भगवानदास गुप्ता-09234894171
07677373093 गांव-नापो खुर्द,पो.-गोसाई बलिया,जिला-हजारीबाग

रामगढ़
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी,मो. 7992262641
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट राजीव सिनेमा रोड़, बिजुलिया, रामगढ़

धनबाद श्री गोपाल कुमार,
9430348333, आजाद नगर, भूलीनगर

मध्य प्रदेश

उज्जैन
श्री गुलाब सिंह चौहान
मो. 09981738805, गाँव एवं पो. इन्गोरिया, उज्जैन 456222

रतलाम
श्री चन्द्र पाल गुप्ता
मो. 9752492233,मकान नं. 344, काटजूनगर, रतलाम

जबलपुर
श्री आर. के. तिवारी,मो. 9826648133
मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन सिटी,माढ़ोताल, जिला - जबलपुर

हरियाणा

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग,मो. 9996990807,गर्ग मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

सिरसा
श्री सतीश मेहता मो. 9728300055
म.न.-705, से.-20,पार्ट-द्वितीय,सिरसा

जुलाना मण्डी
श्री मनोज जिन्दल मो. 9813707878,108 अनाज मण्डी, जुलाना,जींद

पलवल
श्री वीर सिंह चौहान मो.9991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी, सेक्टर-14, पलवल

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता
मो. 09873722657, कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12, एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

करनाल
श्री सतीश शर्मा,मो. 09416121278
म.नं. 886, सेक्टर-7, अरबन एस्टेट करनाल

अम्बाला
श्री मुकुट बिहारी कपूर,मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला केन्ट, अम्बाला केन्ट-133001

कैथल
श्री सतपाल मंगला
मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

नरवाना
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग
मो. 09728941014
165-हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, नरवाना, जीन्द

गोवा

गोवा
श्री अमृत लाल दोषी,मो. 07798917888
'दोषी निवास' जैन मन्दिर के पास, पजीफोन्ड, मडगांव गोवा-403601

मन्दसौर
श्री मनोहर सिंह देवड़ा
मो. 9753810864,म.नं. 153, वार्ड नं. 6, ग्राम-गुराड़िया,पोस्ट-गुराड़ियादेदा, जिला - मन्दसौर

भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना
मो. 09425050136, ए-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ, होशंगाबाद रोड़ जिला - भोपाल

महाराष्ट्र

आकोला
श्री हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला

परभणी
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

नांदेड़
श्री विनोद लिंबा राठोड,07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम,मु. पो. सारखानी, किनवट, जिला - नांदेड़

पाचोरा
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी,न.-028847991
9029643708,10-बी/बी, वाईसराय पार्क,ठाकुर विलेज कान्दीवली,मुम्बई

श्री प्रेम सागर गुप्ता ,मो. 9323101733
सी-5, राजविला, बी.पी.एस. 2 क्रोस रोड़,वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

भायंदर
श्री कमलचंद लोढा, मो. 8080083655
ए/103, 'देव आंगन' जैन मन्दिर रोड़ बावन जिनालय मन्दिर के पास, भायंदर (पश्चिम) ठाणे-401101

बोरीवली
श्री प्रवीण भाई गिरधर भाई परमार
मो. 9869534173
फ्लेट नं. 708, क्वार्टर रोड नं. 5
श्री अम्बे सोसायटी, रायडूंगरी, बी-विंग बोरीवली (ई.) 400066

हिमाचल प्रदेश

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बदसर
जिला हमीरपुर - 176040

श्री रसील सिंह मनकोटिया
मो. 09418061161, जामलीधाम,
पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

जम्मू/कश्मीर

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,मो. 09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी
अपर शिव शक्ति नगर जम्मु-180001

डोडा
श्री विक्रम सिंह व नीलम जी कोतवाल
मो. 09419175813, 08082024587
ग्वाड़ी, उदराना, त. भदवा, डोडा

उत्तर प्रदेश

मथुरा
श्री दिलीप जी वर्मा,मो. 08899366480
1, द्वारिकापुरी,कंकाली, मथुरा

बरैली
श्री कुंवरपाल सिंह पुंडीर
मो. 9458681074,विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई)
जिला-बरैली

श्री विजय नारायण शुक्ला
मो. 7060909449,मकान नं.22/10, सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्टीयल कॉलोनी बरैली

भदोही
श्री अनूप कुमार बरनवाल,
मो.7668765141,शिव मन्दिर के पास, मैन मार्केट, खमरिया,
जिला भदोही, 221306

हाथरस
श्री दास बृजेन्द्र,मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन,सादाबाद

हापुड़
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस,कबाड़ी बाजार,हापुड़

छत्तीसगढ़

दीपका, कोरबा
श्री सूरजमल अग्रवाल,मो. 09425536801

श्री देवनाथ साहू,मो. 09229429407
गांव- बेला कछार, मु.पो. बालको नगर, जिला-कोरबा

बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2, शान्ति नगर, बिलासपुर

बालोद
श्री बाबूलाल संजयकुमार जैन
मो. 9425525000,रामदेव चौक बालोद, जिला-बालोद

ईस्ट दिल्ली

शाहदरा
श्री विशाल अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार डाइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क, D.C.B. ऑफिस के पास,शाहदरा

नारायण सेवा केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई

07073452174, 09529920088
07073474438, मकान नं. 06/103, ग्राउण्ड फ्लोर, ओम मणिकांत सी.एच.एस., लिमिटेड शास्त्री नगर, रोड-1, गोरेगांव पश्चिम मुम्बई-400104

पूणे

09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट गोखले नगर, पूणे-16

राजस्थान

जोधपुर

08306004821
मेडती गेट के अंदर, कुचामन हवेली के पास, जोधपुर, राज.-342001

कोटा

07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं.2-बी-5 तलवंडी, कोटा (राज.) 324005

मध्य प्रदेश

ग्वालियर

07412060406, 41 ए ,न्यू शांति नगर, त्रिवेदी नर्सिंग होम के पीछे,नई सडक, लश्कर,ग्वालियर 474001

हरियाणा

चण्डीगढ़

070734 52176
म.नं.-3658,सेक्टर-46/सी,चण्डीगढ़

गुरूग्राम

08306004802, हाउस नं.-1936 जीए,गली नं.-10,राजीव नगर ईस्ट, माता रोड़, सी.आर.पी.एफ. केम्प चौक,गुरुग्राम -122001

हिसार

07023003320,मकान न. 2249, सेक्टर-14,हिसार 125005

वेस्ट बंगाल

कोलकाता

09529920097,
म.न.-पी226, ए ब्लॉक, ग्राउण्ड फ्लोर, लेक टाऊन कोलकाता-700089

पंजाब

लुधियाना

07023101153
50/30-ए, राम गली, नौरीमल बाग भारत नगर, लुधियाना (पंजाब)

उत्तर प्रदेश

प्रयागराज

09351230393, म.न . 78/बी, मोहत सिंह गंज, प्रयागराज -211003

मेरठ

08306004811, 38, श्री राम पैलेस, दिल्ली रोड,नियर सब्जी मंडी, माधव पुरम,मेरठ 250002

लखनऊ

09351230395
551/च/157 नियर केला गोदाम, डॉ. निगम के पास, जय प्रकाश नगर आलम बाग, लखनऊ

(कर्नाटक)

बेंगलुरू

09341200200,नारायण सेवा संस्थान 40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क, एनआर कॉलोनी, बसवानगुडी, बेंगलुरु-560004

बिहार

पटना

मकान नं.-23, किताब भवन रोड नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13

गुजरात

सूरत

09529920082,
27, सम्राट टाऊनशिप,सम्राट स्कूल के पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा

मो.: 9529920081 म. नं.: 1298, वैकुंठ समाज, श्री अम्बे स्कूल के पास, वाघोड़िया रोड, वडोदरा -390019

अहमदाबाद

मो.: 9529920080 म. नं.: बी 11, बसंत बहार फ्लेट, राजस्थान हॉस्पीटल के पीछे, शाहीबाग, अहमदाबाद 380004

दिल्ली

रोहिणी

08588835718, 08588835719
नारायण सेवा संस्थान,बी-4/232 ,शिव शक्ति मंदिर के पास,सेक्टर-8, रोहिणी, दिल्ली -110085

जनकपुरी, नई दिल्ली

07023101156, 7023101167
सी1/212, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

नारायण निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

दिल्ली

फतेहपुरी

08588835711
07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

शाहदरा

बी-85, ज्योति कॉलोनी, दुर्गापुरी चौक,शाहदरा, दिल्ली-32

उत्तर प्रदेश

हाथरस

07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे, अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा

07023101163, नारायण सेवा संस्थान 68-डी, राधिका धाम के पास, कृष्णा नगर, मथुरा 281004

अलीगढ़

07023101169,एम.आई.जी. -48 विकास नगर, आगरा रोड़,अलीगढ़

मोदीनगर

आर्य समाज मॉदिर, सीकरी पेट्रोल पम्प के पास, मोदी बाग के सामने मोदीनगर -201204

बरेली

बी-17, राजेन्द्र नगर, जिंगल बेल्स स्कूल के पास, बरेली

लोनी

09529920084
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड (मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी, गाजियाबाद

गाजियाबाद

(1) 07073474435
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला केलावालान, दिल्ली गेट गाजियाबाद

(2) 07073474435
श्रीमती शीला जैन नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेंटर,बी.-350 न्यू पंचवटी कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

आगरा

07023101174
मकान नंबर 8/153 ई -3 न्यू लॉयर्स कॉलोनी,नियर पानी की टंकी के पीछे, आगरा -282003 (उ.प्र.)

राजस्थान

जयपुर

09928027946, बद्रीनारायण बैद फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल एण्ड रिचर्स सेन्टर बी-50-51 सनराईज सिटी,मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा,जयपुर

गुजरात

अहमदाबाद

9529920080
ओ.बी. 3/27 गुजरात हाउसिंग बोर्ड खोडियार मॉदिर, 4 रास्ता लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम रोड, बापूनगर, अहमदाबाद-24

राजकोट

09529920083, भगत सिंह गार्डन के सामने आकाशवाणी चौक, शिवशक्ति कॉलोनी, ब्लॉक नं. 15/2 युनिवर्सिटी रोड,राजकोट

तेलंगाना

हैदराबाद

09573938038,लीलावती भवन, 4-7-122/123 इसामिया बाजार, कोठी , संतोषी माता मंदिर के पास,हैदराबाद -500027

उत्तराखण्ड

देहरादून

07023101175, साईं लोक कॉलोनी, गांव कार्बरी ग्रांट,शिमला बाय पास रोड, देहरादून 248007

महाराष्ट्र

मुम्बई

09529920090,ओसवाल बगीची, आरएनटी पार्क,भायन्दर ईस्ट मुम्बई - 401105

मध्य प्रदेश

रतलाम

दत्ता कृपा महात्मा गांधी मार्ग, गली नम्बर-2 एचडीएफसी बैंक के पीछे, स्टेशन रोड, रतलाम - 457001 (म.प्र.)

इन्दौर

09529920087
12, चन्द्रलोक कॉलोनी खजराना रोड, इंदौर-452018

छत्तीसगढ़

रायपुर

07869916950,मीरा जी राव, म.नं.-29/500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2 श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

हरियाणा

अम्बाला

07023101160,सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट के पास, सेक्टर-7 अम्बाला

कैथल

09812003662,ग्राउंड फ्लोर, गर्ग मनोरोग एवं दांतों का हॉस्पिटल, नियर पदमा सिटी माल, करनाल रोड, कैथल

दिव्यांग, अनाथ, असहाय एवं वंचितजन की सेवा में सतत सक्रिय संस्थान के विभिन्न सेवा प्रकल्पों में करें सहयोग

कृपया अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि को बनाएं यादगार..

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000/-	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000/-
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000/-	13 ऑपरेशन के लिए	52,500/-
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000/-	5 ऑपरेशन के लिए	21,000/-
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000/-	3 ऑपरेशन के लिए	13,000/-
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000/-	1 ऑपरेशन के लिए	5,000/-

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मित्ति (हर वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु मदद करें)

नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37,000/-
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30,000/-
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15,000/-
नाश्ता सहयोग राशि	7,000/-

दुखियों के चेहरों पर लाएं खुशियां

दुर्घटनाग्रस्त एवं जन्मजात दिव्यांगों को दें कृत्रिम हाथ-पैर और सहायक उपकरणों का उपहार

वस्तु	सहयोग राशि (एक नग)	सहयोग राशि (तीन नग)	सहयोग राशि (पाँच नग)	सहयोग राशि (ग्यारह नग)
तिपहिया साईकिल	5,000/-	15,000/-	25,000/-	55,000/-
व्हील चेयर	4,000/-	12,000/-	20,000/-	44,000/-
कैलिपर	2,000/-	6,000/-	10,000/-	22,000/-
वैशाखी	500/-	1,500/-	2,500/-	5,500/-
कृत्रिम हाथ/पैर	5,000/-	15,000/-	25,000/-	55,000/-

गरीब दिव्यांगों को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल /कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि

1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 7,500/-	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -22,500/-
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 37,500/-	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -75,000/-
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 1,50,000/-	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -2,25,000/-

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें- अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पैन नम्बर AAATN4183F, टैन नम्बर JDHN01027F

STATE BANK OF INDIA	-H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
ICICI Bank	-Madhuban	ICIC0000045	004501000829
PUNJAB NATIONAL BANK	-KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
UNION BANK OF INDIA	-UdaipurMain	UBIN0531014	310102050000148
HDFC BANK	358-Post Office Road, Chetak Circle	HDFC0000119	50100075975997

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार कर में छूट के योग्य है।

UPI narayanseva@sbi

संस्थान को **paytm** एवं **UPI** के माध्यम से दान देने हेतु इस **QR Code** को स्केन करें अथवा अपने पेमेंट एप में **UPI Address** डालकर आसानी से सेवा भेजे।

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें

फोन नं.: +91-294-6622222

वाट्सअप : +91-7023509999

आपके अपने संस्थान का पता

नारायण सेवा संस्थान - 'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

संस्थान के दानवीर भामाशाहों का हार्दिक आभार

श्री दुर्गा लाल मून्दड़ा
श्रीमती सूरज देवी मून्दड़ा
टोंक (राजस्थान)

श्री संदीप गुप्ता एवं श्रीमती आरती गुप्ता, फिरोजाबाद (उत्तर प्रदेश)

श्री तुलसी राम शर्मा
स्व.श्रीमती बर्फी देवी
मण्डी (हिमाचल प्रदेश)

श्री अखिल जी- श्रीमती नताशा जी एवं श्रीमती नेहा जी-क्रिस्टोफर जी टोरेंटो (कनाडा)

श्री जसवंत भाई शाह, मुम्बई (महाराष्ट्र)

श्री पुरूषोत्तम अग्रवाल
सौ. सुशीला अग्रवाल
भोपाल (मध्य प्रदेश)

मास्टर श्रुति व मास्टर कनिष्का पौत्री श्री जनक राज कौशिक कुरूक्षेत्र (हरि.)

श्रीमती नताशा कपूर पुत्री अलिना टोरंटो (कनाडा)

स्व. श्री पेड़ला वेंकट राव, हैदराबाद (तेलंगाना)

स्व.श्री किशोर गोपाल चन्दन पटेल, पुणे (महा.)

स्व.श्री चन्द्र कान्त शोभा भाई पटेल पुणे (महा.)

श्री संजय बढियानी, मुम्बई (महाराष्ट्र)

नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय

असाध्य रोगों से ग्रस्त उन महानुभावों को आरोग्य प्रदान किया जा रहा है जो अन्य चिकित्सा पद्धतियों से निराश हो चुके थे तथा इन रोगों को अपनी नियती मानकर अभिशप्त जीवन जी रहे थे। ऐसे ही निराश महानुभावों को संस्थान में पधार कर स्वास्थ लाभ लेने हेतु सादर आमंत्रण है।

» पूर्णतः प्राकृतिक वातावरण में प्राकृतिक चिकित्सा विधि से नाना प्रकार के रोगों का इलाज

» चिकित्सालय में भर्ती होने वाले रोगियों की दिनचर्या प्राकृतिक चिकित्सक के निर्देशानुसार निर्धारित होती है

» रोगियों को उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के अनुसार आहार-चिकित्सा दी जाती है।

» आवास एवं भोजन की सुव्यवस्था

सम्पर्क करे :+91-294-6622222, 7023509999

दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह समारोह

दो पुष्पों का मिलन

कार्यक्रम स्थल: सेवामहातीर्थ,
लियो का गुड़ा, बड़ी, उदयपुर (राज.)
दिनांक : 2 से 3 सितम्बर, 2023

दिव्यांग एवं निर्धन कन्याओं के बनें धर्म माता-पिता

पूर्ण कन्यादान (प्रति जोड़ा)
₹ 51,000

आंशिक कन्यादान (प्रति जोड़ा)
₹ 21,000

पाणिग्रहण संस्कार (प्रति जोड़ा)
₹ 10,000

भोजन सहयोग
₹ 5,100

आस्था

चैनल पर सीधा प्रसारण
दिनांक: 3 सितम्बर
समय: प्रात: 10 से दोपहर 1 बजे तक

Donate via UPI

narayanseva@sbi

Seva Soubhagya, Print Date 1 July, 2023 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 28 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-